छात्रों को पर्याप्त विकल्प दिये जाएँ ।

हिन्दी (प्रतिष्ठा)

प्रथम पत्र

इतिहास एवम् प्राचीन काव्य (आदिकाल से भक्ति काल तक)

समय - तीन घंटे **पूर्णांक- 100**

खण्ड क – इतिहास 20 x 3 = **60 अंक**

निर्धारित अंश – हिन्दी भाषा एवं साहित्य की परम्परा, पृष्ठभूमि, आदिकाल की सामान्य परिस्थितियां, सामान्य विशेषताएं, काल–विभाजन, नामकरण की समस्या, आदिकालीन उपलब्ध काव्यग्रंथों का परिचय, पृथ्वीराजरासो की प्रमाणिकता ।

भक्तिकालीन सामान्य परिस्थितियां, भक्ति–आन्दोलन की परंपरा, भक्तिकाव्य की दार्शनिक पीठिका, निर्गुण–भक्ति–परंपरा और ज्ञानाश्रयी संत कवि, निर्गुण मधुरोपासना की परम्परा, प्रेमाश्रयी संत कवि, प्रमुख निर्गुण–भक्ति कवि एवं उनका महत्त्व, सगुण–भक्ति परम्परा, निर्गुण एवं सगुणभक्ति– साम्य और पार्थक्य, राम–भक्ति–परम्परा के कवि और काव्य – सामान्य विशेषताएं, कृष्णोपासक कवि और उनके काव्य, सगुण मधुरोपासना की परम्परा, भक्ति काल का महत्त्व, मुसलमान कवियों का भक्तिकालीन काव्य में योगदान।

खण्ड ख – काव्य (आदिकाल से भक्तिकाल तक) **40 अंक**

पाठ्यग्रंथ 1. शंखध्वनि : संपादिका– **डा० आशा किशोर** । केवल पृथ्वीराजरासो – बानवेध समय खण्ड (आदि के 12 छंद); विद्यापति –– कीर्तिलता का वीर पुरुष खण्ड (भक्ति खण्ड के केवल प्रारंभ से 5 पद); कबीर – भक्ति (सम्पूर्ण), प्रेमखण्ड से आद्य

StudyRaw.com

20 दोहे, सबद से 3, 5, 6, 7 और 8; जायसी – प्रेमखण्ड मात्र; सूर – विनय से 4, 8 एवम् 10; भ्रमरगीत से 3, 5, 6, 8, 12 और 14; मीरा – 1, 3, 6, 7 एवम् "बसो मेरे नैनन में नंदलाल"; तुलसी – विनय के पद -- 3, 5, 8, 9, एवम् 10 ।

पाठ्यग्रंथ 2. रामचरितमानस (केवल बालकाण्ड से पुष्प-वाटिका प्रसंग मात्र)

बालकाण्ड दोहा 231 "करत बतकही अनुजसन" से दोहा 237 "सिय मुख समता पाव किमि" तक।

शंखध्वनि से एक आलोचनात्मक एवम् एक व्याख्या का प्रश्न

(20 + 10 = 30) अंक

"पुष्पवाटिका प्रसंग" से एक व्याख्या अनिवार्य । 10 अंक

छात्रों को पर्याप्त विकल्प दिये जाएँ ।

संदर्भ ग्रंथ :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**
2 हिन्दी साहित्य की भूमिका – **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी**
3 हिन्दी साहित्य का आदिकाल - **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी**
4 हिन्दी साहित्य का इतिहास - **डा० नगेन्द्र**
5 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – **गणपति चन्द्र गुप्त**
6 बिहार का संत साहित्य - **डा० विनोद कुमार सिंह**

हिन्दी (प्रतिष्ठा)
द्वितीय पत्र
गद्य – खण्ड
(उपन्यास, कहानी एवं नाटक)

समय - तीन घंटे **पूर्णांक- 100**

1. उपन्यास : अपने अपने राम – **भगवान सिंह** अथवा संक्षिप्त मानस का हंस - **अमृतलाल नागर** ।
2. कहानी : हिन्दी कहानी संग्रह -- संपादक, **डा० विनोद कुमार सिंह**, अनामिका प्रकाशन, पटना । केवल "उसने कहा था", 'नशा', 'मधुवा', 'अमृतसर आ गया है', 'ठेस और 'सुदामा के चावल' ।
3. नाटक : अंधेर नगरी– **भारतेन्दु** अथवा अजातशत्रु – **प्रसाद** ।

प्रत्येक खंड से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न अनिवार्य । 20 x 3 = 60 अंक

खण्ड दो (कहानी) और तीन (नाटक) से दो-दो व्याख्याएँ ।

(10 x 2 = 20 + 10 x 2 = 20) = 40 अंक

छात्रों को पर्याप्त विकल्प दिये जाएँ ।

StudyRaw.com